संरक्षक

माननीय प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

केंद्र निदेशक

प्रो. विजय कुमार कौल

निदेशक, सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र,
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

सलाहकार समिति

डॉ. चंद्रकांत रागीट

(प्रति-कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा)

डॉ. रविंद्र कुमार सोनी

(निदेशक, एआइसीटीई अटल)

डॉ. गिरिधारी लाल गर्ग

(सहायक निदेशक, एआइसीटीई अटल)

संयोजन समिति

डॉ. पीयूष प्रताप सिंह, डॉ. धनजी प्रसाद, डॉ. अंजनी कुमार राय, डॉ. गिरीशचंद्र पांडेय, सागर ईखे, तूफान सिंह पारधी, धीरेंद्र यादव, राकेश रंजन, अंजना किशनपुरी, कपिल गावंडे.

समन्वयक

डॉ. हर्षलता पेटकर

सहायक प्रोफेसर, सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

महत्वपूर्ण तिथियाँ

पंजीकरण प्रारंभ: 14 नवंबर 2020

अंतिम तिथि: 5 फरवरी 2021

वक्ता

उच्च शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग, अनुसंधान एवं विकास संगठनों से साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा संबोधित किया जाएगा।

दिशा-निर्देश

न्यूनतम 80% उपस्थिति के साथ कार्यक्रम में भाग लेने वाले और ऑनलाइन टेस्ट में न्यूनतम 60% अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

अटल (ATAL) के बारे में

एआइसीटीई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई विभिन्न योजनाओं को शुरू करके देश में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान समय में युवा पीढ़ी, संकायों एवं तकनीशियनों को उनके संबंधित विषयों के कौशल में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। यह माना गया है कि किसी इंस्टीट्यूट को प्रतिस्पर्धी और अधिक उत्पादक बनाए रखने के लिए नवीनतम टूल और टेक्नोलॉजी के साथ प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। वैश्विक दक्षताओं को प्राप्त करने के एवं उन्हें अधिक रोजगारपरक बनाने के लिए छात्रों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। रोजगार और कौशल संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें समाज के साथ सामंजस्य बनाने और महत्वपूर्ण रूप से देश का एक अच्छा नागरिक बनाने में मदद करते है। इसे ध्यान में रखते हुए एआइसीटी ट्रेनिंग एंड लर्निंग(अटल) अकादमी की स्थापना की गई है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
वर्धा
महाराष्ट्र – 442001

सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र

द्वारा आयोजित

साइबर सुरक्षा (Cyber Security)

पर पाँच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी)

08-12 फरवरी 2021

प्रायोजक:

एआइसीटी ट्रेनिंग एंड लर्निंग (अटल) अकादमी

म.गां.अं.हिं.वि. के बारे में

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय संसद के अधिनियम द्वारा अस्तित्व में आया, जिसे 08 जनवरी, 1997 को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई और उसी तारीख को भारत के राजपत्र में असाधारण रूप से प्रकाशित किया गया। इस अधिनियम का निम्नलिखित उदेश्य था-

शिक्षण और शोध के माध्यम से हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार और विकास के लिए एक विश्वविद्यालय की स्थापना करना, जिसका लक्ष्य एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी को पहचान दिलाने एवं कार्यात्मक रुप से अधिक दक्ष बनाने के साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में इसके महत्व और प्रभाव को स्थापित करना।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम और कार्यक्रम इन घटकों को शामिल करने का प्रयास करते हैं। विश्वविद्यालय अहिंसा और शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, दलित और आदिवासी अध्ययन, मीडिया अध्ययन, प्रदर्शनकारी कला, साहित्य, प्रवासी, सामाज कार्य, प्रबंधन, शिक्षा, मनोविज्ञान और तकनीकी सहित कई गैर पारंपरिक क्षेत्रों में पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी और व्यवसाय के लिए वैकल्पिक भाषा के रूप में हिन्दी हिंदी के अध्ययन को भी बढ़ावा देता है। यह प्राकृतिक भाषा संसाधन, कृत्रिम बुद्धि, मशीनी अधिगम में हिंदी एवं हिंदी माध्यम से शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

आयोजक

सूचना और भाषा अभियांत्रिकी केंद्र की स्थापना सन् 2008 में की गयी। केंद्र प्राकृतिक भाषा संसाधन और कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान के क्षेत्र में शोध और सॉफ्टवेयर विकास के लिए समर्पित है। केंद्र कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान में एम.टेक, सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी के मास्टर, कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी में पीएच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। उपर्युक्त कार्यक्रमों के संदर्भ में प्राकृतिक भाषा संसाधन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, फ़ॉन्ट रूपांतरण, कॉर्पस भाषाविज्ञान, कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान, कंप्यूटेशनल रुपविज्ञान, आदि के क्षेत्र में शिक्षण और शोध का अभ्यास किया जा रहा है। केंद्र में 24x7 इंटरनेट सुविधा से युक्त वाई-फाई और लैन सक्षम कंप्यूटर प्रयोगशाला और अत्याधुनिक कक्षा हैं। सभी कार्यक्रमों में पठन-पाठन का माध्यम हिंदी भाषा है। केंद्र ने पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। संकाय सदस्यों और छात्रों की उपलब्धियों को समान रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा मिली है।

एफडीपी के बारे में

आजकल बिजनेस वेबसाइट्स और कंप्यूटर सिस्टम की हैकिंग सहित साइबर हमले आम हो रहे हैं। ये हमले व्यवसायों के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं, खासकर अगर सुरक्षा का उल्लंघन कर व्यवसाय से जुड़े गोपनीय और महत्वपूर्ण व्यक्तिगत सूचनाओं को चुरा लिया जाये। साइबर हमले और सुरक्षा उल्लंघनों तेजी से बढ़ रहे अंतरराष्ट्रीय साइबर खतरों का एक हिस्सा है, जिससे कंपनियों और लोगों को बहुमूल्य जानकारियों को खोना पड़ता है और इनसे प्रतिष्ठा का भी नुकसान होता है। साइबर सुरक्षा इलेक्ट्रॉनिक डेटा के आपराधिक या अनधिकृत उपयोग या इससे बचने के लिए किए गए उपायों के खिलाफ संरक्षित होने की स्थिति से संबंधित है।

लक्षित प्रतिभागी

एआइसीटीई अनुमोदित संस्थानों, शोधार्थियों, पीजी स्कॉलर्स, सरकारी विभाग के प्रतिभागियों, उद्योग (नौकरशाहों/ तकनीशियनों/ उद्योग से प्रतिभागियों आदि) के संकाय सदस्य और मेजबान संस्थानों के कर्मचारी एफडीपी कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं।

विषय

- साइबर सुरक्षा: मूल अवधारणा
- सर्वर सुरक्षा एवं नेटवर्क सुरक्षा
- क्लाउड कंप्यूटिंग और इंटरनेट सुरक्षा
- सोशल नेटवर्क साइट सुरक्षा
- साइबर सुरक्षा उपाय
- मालवेयर एवं उनके प्रकार
- अन्य संबंधित विषय

नि:शुल्क पंजीकरण

सभी प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे निम्नलिखित लिंक का उपयोग कर इस एफडीपी के लिए पंजीकरण करें:

https://www.aicte-india.org/atal

ईमेल: atalfdp_mgahv@hindivishwa.org
दूरभाष संपर्क : 9421820442, 07152 -251173
वेबसाइट : www.hindivishwa.org